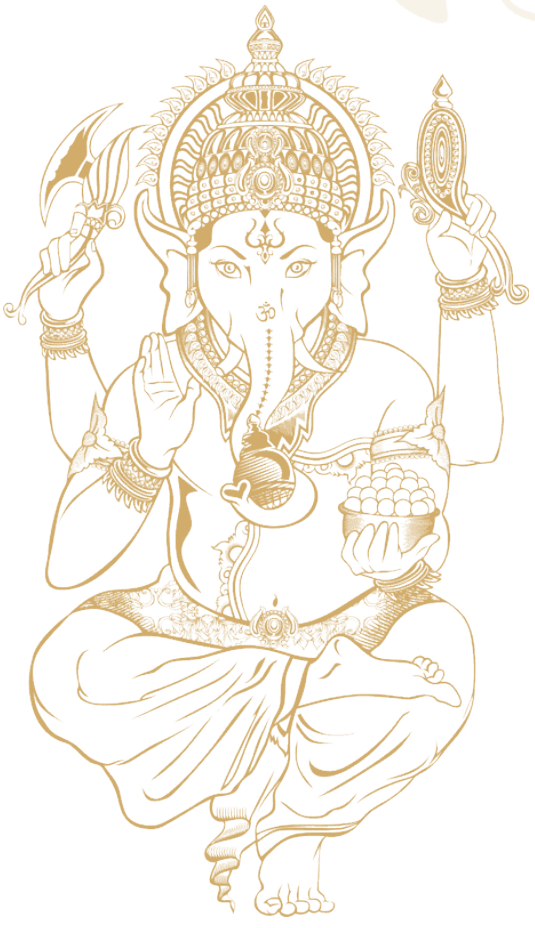

Aditya Agarwal

Samiksha Agarwal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121262404

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
14/07/1998 :	जन्म तिथि	: 18/11/1999
मंगलवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 08:25:00 :	जन्म समय	: 10:42:00 घंटे
घटी 07:08:08 :	जन्म समय(घटी)	: 09:49:05 घटी
India :	देश	: India
Gurgaon :	स्थान	: Agra
28:27:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:09:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56 :	स्थानिक संस्कार	: -00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:33:44 :	सूर्योदय	: 06:40:09
19:21:25 :	सूर्यास्त	: 17:25:56
23:50:05 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 10वर्ष 6मा 22दि		03:22:17	सिंह	लग्न	धनु	25:22:39	गुरु 11वर्ष 11मा 22दि	
शनि		27:39:20	मिथु	सूर्य	वृश्चि	01:33:25	शनि	
03/02/2009		24:31:55	कुंभ	चंद्र	कुंभ	23:21:07	10/11/2011	
04/02/2028		11:23:06	मिथु	मंगल	धनु	29:59:57	09/11/2030	
शनि	07/02/2012	24:07:31	कर्क	बुध व	तुला	26:15:42	शनि	13/11/2014
बुध	17/10/2014	04:11:58	मीन	गुरु व	मेष	02:54:53	बुध	23/07/2017
केतु	26/11/2015	29:32:19	वृष	शुक्र	कन्या	16:01:01	केतु	31/08/2018
शुक्र	26/01/2019	08:53:00	मेष	शनि व	मेष	18:55:11	शुक्र	31/10/2021
सूर्य	08/01/2020	08:12:37	सिंह	राहु व	कर्क	12:48:49	सूर्य	13/10/2022
चन्द्र	08/08/2021	08:12:37	कुंभ	केतु व	मक	12:48:49	चन्द्र	13/05/2024
मंगल	17/09/2022	17:42:55	मक व	हर्ष	मक	19:17:51	मंगल	22/06/2025
राहु	24/07/2025	07:11:58	मक व	नेप	मक	08:04:47	राहु	28/04/2028
गुरु	04/02/2028	11:44:58	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:55:11	गुरु	09/11/2030

लग्न-चलित

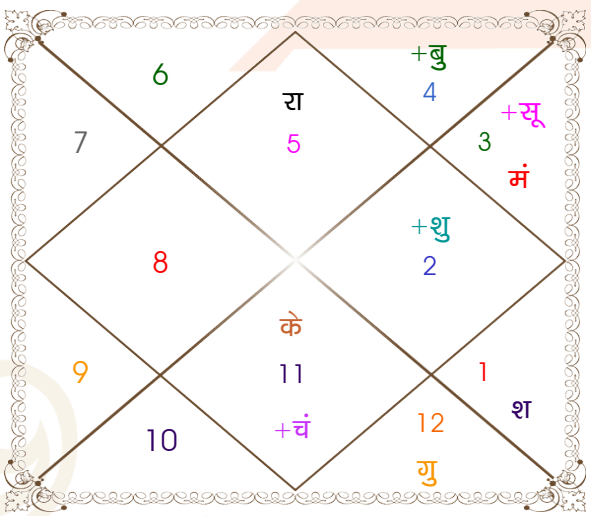

लग्न-चलित

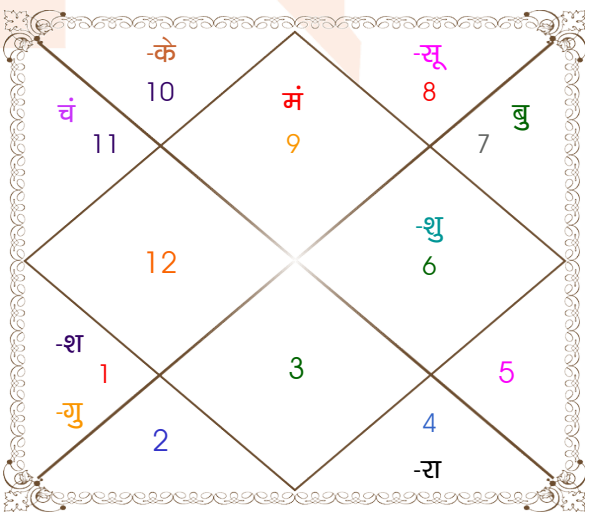

PT.MRIDUL SHARMA
Prachin Hanuman Mahadev Mandir Choudhary More Ambedkar Road Ghaziabad
9818441898.9873451999
mridulsharmagzb@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

ιकपजलं ιहंतूंस का वर्ग मेष है तथा ँउर्पों ιहंतूंस का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ιकपजलं ιहंतूंस और ँउर्पों ιहंतूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ιकपजलं ιहंतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ँउर्पों ιहंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ιकपजलं ιहंतूंस कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ιकपजलं ιहंतूंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः

PT.MRIDUL SHARMA
Prachin Hanuman Mahadev Mandir Choudhary More Ambedkar Road Ghaziabad
9818441898.9873451999
mridulsharmagzb@gmail.com

मंगलीक दोष कट जाता है।

।कपजलं ।हंतूंस तथा ँउर्पों ।हंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

PT.MRIDUL SHARMA
Prachin Hanuman Mahadev Mandir Choudhary More Ambedkar Road Ghaziabad
9818441898.9873451999
mridulsharmagzb@gmail.com